

पाठ-२

श्रावक के अष्ट मूलगुण

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर



99260-40137

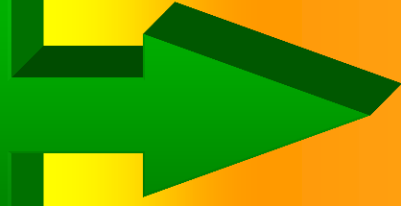
मूलगुण

```
graph TD; A[मूलगुण] --> B[निश्चय]; A --> C[व्यवहार];
```

निश्चय

व्यवहार

निश्चय मूलगुण



समस्त पर पदार्थों से दृष्टि
हटाकर अपनी आत्मा की
श्रद्धा, ज्ञान और लीनता

व्यवहार मूलगुण

श्रावक जीवन की जड़ –
जिसके बिना जीव धर्म-उपदेश
का पात्र भी नहीं होता है

अष्ट मूलगुण कौन-कौनसे हैं?

☯ मद्य (शराबादि) त्याग

☯ माँस त्याग

☯ मधु (शहद) त्याग

☯ पंच उदम्बर फलों का त्याग

मद्य(शराबादि) के दोष

- ☯ पदार्थों को सड़ा-गलाकर बनती है
- ☯ इसके बनने में लाखों जीवों का घात होता है
- ☯ इसके सेवन से नशा होता है तथा नशा विवेक भुलवा देता है

मद्य/शराबादि के दोष

- ☯ मद्य से क्रोध, मान तीव्र पैदा होते हैं
- ☯ अन्य कषायें भी होती हैं - अभिमान, भय, ग्लानि, हास्य, अरति, शोक, काम
- ☯ अन्य सभी मादक वस्तुओं का भी त्याग होना चाहिए । जैसे - सिगरेट, बीडी, तम्बाकू, भांग, अफ्रीम, गांजा आदि

मांस के दोष

- ☯ त्रस जीवों का घात(हिंसा) होता है
- ☯ निरन्तर त्रस जीवों की उत्पत्ति भी होती रहती है

माँस के दोष

☯ साथ ही खानेवाले के परिणाम
भी क्रूर होते हैं

☯ अण्डा भी त्रस जीवों का शरीर
होने से माँस ही है

माँस के त्यागी को.....

- ☯ माँसाहारी होटल में भी नहीं खाना चाहिए
- ☯ बाजार की वस्तुओं में किसी भी प्रकार से माँस न मिला हो- ये देखकर ही खाना चाहिए

मधु में क्या दोष हैं ?

- ☯ महान अपवित्र पदार्थ - मधु-मक्खियों का मल, वमन
- ☯ हिंसा भी - अनेक त्रस जीवों के घात से उत्पन्न होता है
- ☯ बड़ी-छोटी मधु-मक्खियाँ, उनके बच्चों, अंडों को मसलकर बनाया जाता है

कहीं भी इसका उपयोग नहीं करना चाहिये?

 खाने में

 दवाईयों में

 सौन्दर्य प्रसाधनों में

 छूना भी नहीं चाहिए

प्रकाश छाबड़ा, यंग जैन स्टडी ग्रुप, इन्दौर

पंच उद्म्बर फल कौन-से हैं ?

 बड़ का फल

 पीपल

 ऊमर

 कठूमर(अंजीर)

 पाकर

पंच उद्म्बर फल के दोष

 इनके मध्य में अनेक सूक्ष्म-स्थूल
त्रस जीव चलते-फिरते दिखाई देते हैं

 सुखाकर खाने में भी राग की
अधिकता से दोष

मक्खन

 मक्खन का भी त्याग करना चाहिये

 अंतर्मुहूर्त में उसी रंग के त्रस जीव उत्पन्न हो जाते हैं

अन्य प्रकार से अष्ट मूलगुण

दूसरा प्रकार

-  1 मद्य त्याग
-  2 माँस त्याग
-  3 मधु त्याग
-  4 - 8 पाँच पापों का स्थूल त्याग

तीसरा प्रकार

-  1 मद्य त्याग
-  2 माँस त्याग
-  3 मधु त्याग
-  4 पाँच उदम्बर फलों का त्याग
-  5 रात्रि भोजन का त्याग
-  6 बिना छने जल का त्याग
-  7 देवदर्शन की प्रतिज्ञा
-  8 जीव दया

जरूर समझें

- मुक्ति का सच्चा मार्ग तो आत्मज्ञान ही है
- परंतु क्या शराबी-कबाबी को भी आत्मज्ञान प्राप्त हो सकता है ?
- नहीं
- अतः, आत्मज्ञान एवं मुक्ति की अभिलाषा वाले मूलगुण धारण करते ही हैं